

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.03.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3275 का उत्तर

कवच प्रौद्योगिकी के अंतर्गत रेल नेटवर्क

3275. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्रीमती जसकौर मीना:

श्री सुब्रत पाठक:

श्री रविन्दर कुशवाहा:

श्री मनोज तिवारी:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री कृपानाथ मल्लाह:

श्री विष्णु दयाल राम:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री प्रतापराव जाधव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या रेलवे ने हाल ही में आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत 'कवच' प्रणाली आरंभ की है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;
- (ग) उक्त कवच प्रणाली की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;
- (घ) क्या सरकार ने 'कवच' कार्यप्रणाली का कोई परीक्षण किया है;
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहे हैं;
- (च) असम और तमिलनाडु सहित देश में कवच प्रणाली के अंतर्गत लाया गया कुल रेलवे नेटवर्क/मार्ग कितना है;
- (छ) सरकार द्वारा उक्त प्रणाली को विकसित करने पर कुल कितना व्यय किया गया है; और

(ज) इसे कब तक स्थापित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): जी हां। भारतीय रेल ने चलती गाड़ियों की संरक्षा को बेहतर करने के लिए कवच नामक अपनी स्वदेशी स्वचालित गाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली विकसित की है। कवच का विकास तीन भारतीय विनिर्माताओं के सहयोग से अ.अ.मा.सं. द्वारा स्वदेशी रूप से किया गया है और इसे हमारी राष्ट्रीय स्वचालित गाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली के रूप में अपनाया गया है।

कवच लोको पायलट को न केवल खतरे के सिगनल को पार करने (एसपीएडी) और अधिक गति से बचाव करेगा, बल्कि घने कोहरे जैसे खराब मौसम के दौरान गाड़ी चालन में भी सहायक सिद्ध होगा। अतः, कवच गाड़ी परिचालन की संरक्षा और दक्षता को बेहतर करेगा।

उपरोक्त कवच की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- कवच स्वचालित ब्रेक का प्रयोग करके गाड़ी की गति को नियंत्रित करता है, यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है।
- कैब में लाइन साइड सिगनल जो उच्च गति और कोहरे के मौसम के लिए बहुत उपयोगी है, को दोहराया जाता है।
- मूवमेंट अथॉरिटी के निरंतर अद्यतन के सिद्धांत पर कार्य करता है।
- समपार फाटकों पर ऑटो व्हिसलिंग।
- इंजनों के बीच सीधे संचार द्वारा टकराव से बचाव।
- किसी दुर्घटना की स्थिति में गाड़ी को नियंत्रित करने हेतु एसओएस विशेषता।

(घ) से (च): जी हां। भारतीय रेल ने दक्षिण मध्य रेलवे के लिंगमपल्ली-विकाराबाद-वाड़ी, विकाराबाद-बीदर (250 किमी) खंड के एक्सोल्यूट ब्लॉक खंड पर 'कवच' के परीक्षण किए हैं। परीक्षाओं के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद, तीन विनिर्माताओं को भारतीय रेल पर विकासात्मक आदेशों के लिए अनुमोदित किया गया था।

दक्षिण मध्य रेलवे के मनमाड-मुदखेड-धोने-गुंतकल और बीदर-परभणी खंड में 1199 आरकेएम पर कवच का कार्य सफलतापूर्वक चल रहा है। अब तक दक्षिण मध्य रेलवे में लगभग 1098 आरकेएम नेटवर्क मार्ग को कवच के अंतर्गत लाया गया है।

(छ) और (ज): कवच के विकास कार्य पर अब तक किया गया कुल व्यय 16.88 करोड़ रुपये है। वर्तमान में, नई दिल्ली-हावड़ा और नई दिल्ली-मुंबई खंड पर कवच को लागू करने की योजना है जिसे मार्च, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्राप्त अनुभव के आधार पर, इसे आगे लागू करने की योजना बनाई जाएगी।
